नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com
वेबसाइट : www.hindivishwa.org

आज हिंदी विश्वविद्यालय में फूड फेस्टिवल

देश-विदेश के लजीज व्यंजन के लगेंगे स्टॉल

वर्धा, 30 दिसंबर, 2015; महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के 18वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर 31 दिसंबर, 2015 को आयोजित 'फूड फेस्टिवल' का उदघाटन दोपहर 3.00 बजे समता भवन के प्रांगण में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा किया जाएगा। 45 स्टॉलों में देश-विदेश के विविध व्यंजनों का आनंद उठाया जा सकता है।

फेस्टिवल में खास आकर्षण है-वर्धा के एच.एन.घोष द्वारा संग्रहित 191 देशों के करेंसी नोट व सिक्कों की प्रदर्शनी, राहुल वकारे द्वारा प्रदर्शित प्राचीन मुद्राओं का स्टॉल और साथ ही विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा जायकेदार खबरों का स्टॉल। जरूरतमंदों को कपड़े दान करने के लिए एक अलग से स्टॉल 'अहसास' है।

फेस्टिवल में आप पा सकेंगे देशभर के विभिन्न प्रांतों के लजीज़ व्यंजनों के स्वाद। महाराष्ट्र, बिहार, बंगाल, गुजरात सहित कई प्रांतों के व्यंजन कला में शौकीन लोगों द्वारा विविध स्टॉल लगाए जा रहे हैं। करीब 45 स्टॉल में देश-विदेश में प्रचलित खाद्य पदार्थों का स्वाद यहां लिया जा सकता है। यहां सस्ते दरों पर चाय से लेकर चिप्स तक, समोसा, बर्गर, पिज्जा, डोनेट, बंगाली रसगुल्ला, पूरण पोळी, दाबेली, पनीर जंगली, छोले टिक्की, पुलाव, पावभाजी, चाउमिन, लिट्टी चोखा, आलू पराठा, गाजर हलवा, मटका रोटी, सैंडविच, नूडल्स,

मंचूरियन, सेवाग्राम वडा, शेगांव कचोड़ी, रबड़ी, फलूदा, स्वीटकोर्न, चटपटे चाट आदि और खाना की पूरी थाली-वेज और नॉन वेज दोनों ही प्राप्त कर सकते हैं। फूड फेस्टिवल में लाजवाब व्यंजन बनाने वाले प्रथम तीन स्टॉल धारकों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

फूड फेस्टिवल के सहसंयोजक डॉ.अमित विश्वास ने बताया कि कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र और कुलसचिव डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र की अभिप्रेरणा से फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर फूड फेस्टिवल का यह पांचवा आयोजन है जो कि सांस्कृतिक एकता और सौहार्द का परिचायक है। विविधता भारतीय संस्कृति की पहचान है। यहां भिन्न-भिन्न भाषा-भाषी, खान-पान की संस्कृति वाले लोग रहते हैं। आज हम चाहें भाषा,नस्ल, संप्रदाय के नाम पर विवाद खड़े करते हों पर स्वाद के नाम पर कभी भी लड़ाई होते नहीं देखी है। उत्तर का समोसा और दक्षिण का डोसा, गुजरात का ढोकला,महाराष्ट्र की पावभाजी और बंगाली रसगुल्ला बहुत से लोगों के बीच लोकप्रिय है। हम जानते हैं कि क्या कभी दो राज्यों में किसी चीज के स्वाद को लेकर झगड़ा हुआ हो?क्या कभी किसी राजनीतिक पार्टी ने कहा है कि हम अपने राज्य में पड़ोसी राज्य का फलां व्यंजन नहीं बिकने देंगे, क्योंकि इससे लोग अपने राज्य का व्यंजन खाना छोड़ देंगे? कभी किसी नेता को समोसे या डोसे का बहिष्कार करने का आह्वान करते सुना है? एक इतालवी महिला को बेशक हम अपने देश पर राज न करने दें लेकिन इतालवी पिज्जे का हम दिल खोलकर स्वागत करते हैं। चीन की नीतियाँ हमें न सुहाती हों लेकिन चाइनीज़ चाउमिन से हमें दोस्ती है। अमेरिकी साम्राज्यवाद को चाहे कितने भी कोंसे लेकिन अमेरिकी बर्गर के स्वाद को हम भूल नहीं पाते हैं। तात्पर्य है कि स्वाद सार्वभौमिक है। अगर भूख हमारे कर्म का पहला पायदान है तो दूसरा पायदान बेशक़ स्वाद ही है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र तथा फूड फेस्टिवल के संयोजक डॉ. सुप्रिया पाठक ने वर्धावासियों से इस फूड फेस्टिवल का आनंद उठाने की अपील की है।

आज हिंदी विश्वविद्यालयात फूड फेस्टिवल

देश-विदेशातील व्यंजनांची मेजवानी

वर्धा, 30 डिसेंबर 2015; महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयच्या स्थापना दिनानिमित्त गुरूवार दि. 31 डिसेंबर रोजी भव्य 'फूड फेस्टिवलचे आयोजन करण्यात आले आहे. समता भवनाच्या प्रांगणात होणा-या फेस्टिवलचे उदघाटन कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र हे दुपारी 3.00 वा. करतील. रात्री 10.00 पर्यंत व्यंजनांचा आस्वाद घेता येईल. फेस्टिवलमध्ये लावण्यात आलेल्या स्टाल्समधून विविध प्रकारच्या व्यंजनांची मेजवानी मिळणार आहे.

यानिमित्ताने एच.एन.घोष द्वारा संग्रहित 191 देशांतील करंसी नोट आणि नाण्यांचे प्रदर्शनी तसेच वर्धेतील राहुल वकारे यांनी संग्रहीत केलेल्या प्राचीन मुद्रांचे प्रदर्शन लावण्यात येणार आहे. विश्वविद्यालयाचा जनसंचार विभाग गरमागरम बातम्यांचा स्टॉल लावणार आहे. गरजवंतांना कपड़ दान करण्यासाठी विश्वविद्यालयाच्या विद्यार्थ्यांनी महत्वाचा पुढाकार घेतला असून कपडे जमा करण्यासाठी एक स्वतंत्र स्टॉल लावला जाणार आहे. इच्छुकांनी आपल्याकडील अतिरिक्त कपडे दान करण्याचे आवाहन आयोजकांनी केले आहे.

महाराष्ट्र, बिहार, बंगाल, गुजरात राज्यातील आवडींच्या पदार्थांचे स्टॉल हे आयोजनाचे मुख्य आकर्षण असेल. यात चिप्स, समोसा, बर्गर, पिज्जा, डोनेट, बंगाली रसगुल्ला, पूरण पोळी, दाबेली, पनीर जंगली, छोले टिक्की, पुलाव, पावभाजी, चाउमिन, लिट्टी चोखा, आलू पराठा, गाजर हलवा, मटका रोटी, सैंडविच, नूडल्स, मंचूरियन, सेवाग्राम वडा, शेगांव कचोड़ी, रबड़ी, फलूदा, स्वीटकोर्न, चटपटे चाट यांची मेजवानी मिळणार आहे. उत्कृष्ट व्यंजन तयार करणा-या प्रथम तीन स्टॉल धारकांना प्रोत्साहन स्वरूप प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार देवून गौरविण्यातही येणार आहे. फूड फेस्टिवलचा लाभ वर्धेकर, विद्यार्थी आणि नागरिकांना घ्यावा असे आवाहन विश्वविद्यालयाने केले आहे.